परिशिष्ट सारणी 18 : राज्यों के योजनेतर-विकासेतर व्यय

(करोड़ रुपए)

मद	2003-04 (लेखा)	2004-05 (लेखा)	2005-06 (संशोधित अनुमान)	2006-07 (बजट अनुमान)
1	2	2	3	4
I. योजनेतर विकासेतर राजस्व व्यय (1 से 5)	**1,64,840**	**1,82,756**	**1,95,412**	**2,21,569**
		(10.9)	**(6.9)**	**(13.4)**
1. राज्य सरकारों के विभाग और संस्थाएं	3,673	4,431	4,531	5,058
		(20.6)	(2.3)	(11.6)
2. राजकोषीय सेवाएं	9,843	11,167	10,190	10,479
		(13.4)	(-8.8)	(2.8)
3. ऋणों की ब्याज अदायगी और चुकौती	84,392	92,602	95,102	105,793
		(9.7)	(2.7)	(11.2)
जिसमें से :				
ब्याज अदायगी	81,745	87,984	88,742	99,172
जिसमें से :		(7.6)	(0.9)	(11.8)
केन्द्र से प्राप्त ऋण पर ब्याज	30,238	25,625	16,427	16,421
		(-15.3)	(-35.9)	(0.0)
4. प्रशासनिक सेवाएं	27,945	29,941	34,541	41,037
		(7.1)	(15.4)	(18.8)
5. पेंशन और फुटकर सामान्य सेवाएं	38,987	44,616	51,048	59,203
		(14.4)	(14.4)	(16.0)
II. योजनेतर विकासेतर पूंजी संवितरण (1+2)*	**1,472**	**2,648**	**1,794**	**2,260**
		(79.9)	**(-32.3)**	**(26.0)**
1. योजनेतर विकासेतर पूंजी परिव्यय	646	985	754	1,208
		(52.4)	(-23.4)	(60.2)
2. राज्यों द्वारा योजनेतर विकासेतर ऋण और अग्रिम	826	1,663	1,040	1,052
		(101.4)	(-37.5)	(1.2)
III. कुल योजनेतर विकासेतर व्यय	**1,66,313**	**1,85,404**	**1,97,206**	**2,23,829**
	(11.5)	**(6.4)**	**(13.5)**	

* इसमें केंद्र के ऋणों की चुकौती और आंतरिक ऋण से मुक्ति शामिल नहीं है।

टिप्पणियाँ : 1. कोष्ठक के आंकड़े पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत घट-बढ़ दर्शाते हैं।

2. जम्मू और कश्मीर तथा झारखंड के वर्ष 2004-05 (लेखा) के योजनेतर आंकड़े संशोधित अनुमान से संबंधित हैं।

स्रोत : राज्य सरकारों के बजट दस्तावेज ।